मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को सवाई मानसिंह अस्पताल में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पत्नी की कुशलक्षेम पूछी तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी भी मौजूद थे। इसके साथ ही कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, गौतम दक, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित अनेक नेता सवाई मानसिंह अस्पताल जाकर देवनानी की पत्नी के हालचाल पूछे।

आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिये मलेशिया जायेंगे राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की 12वीं बैठक - प्लस (एडीएमएम-प्लस) में हिस्सा लेने के लिए एक नवम्बर को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर जाएंगे।

रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को वक्तव्य जारी कर कहा कि सिंह फोरम में ''एडीडीएम- प्लस के 15 वर्ष और आगे का रास्ता'' विषय पर अपने विचार रखेंगे। यह मलेशिया की अध्यक्षता में 31 अक्टूबर को आसियान-भारत रक्षा मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक का दूसरा संस्करण होगा, जिसमें सभी आसियान सदस्य देशों के रक्षा मंत्री हिस्सा लेंगे। इस बैठक का मकसद आसियान सदस्य देशों और भारत के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग को अधिक मजबूत करना और एक्ट ईस्ट पॉलिसी को आगे बढ़ाना है।

■ वे एक नवम्बर को ''15 वर्ष और आगे का रास्ता'' विषय पर विचार रखेंगे।

रक्षा मंत्री के दो दिन की यात्रा के दौरान बैठक में हिस्सा लेने वाले देशों के अपने समकक्षों के साथ-साथ मलेशिया के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी उम्मीद है।

जनजाति गौरव वर्ष में 1 से 15 नवम्बर तक पूरे प्रदेश में कार्यक्रम आयोजित होंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती के कार्यक्रमों की समीक्षा की

■ मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 दिनों में जनजाति कलाकारों के उत्पादों का प्रदर्शन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, जनजाति से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिताएं, कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रामीण सेवा शिविर और विभिन्न कार्यशालाओं सहित अनेक गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।

जयपुर, 29 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर प्रदेशभर में 1 नवम्बर से 15 नवम्बर तक जनजाति गौरव वर्ष के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसके तहत आयोजित होने वाली गतिविधियों, नवाचारों तथा कार्यक्रमों को भव्य रूप से मनाते हुए सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाए, जिससे भगवान बिरसा मुंडा का प्रेरणादायी जीवन जन-जन तक पहुंच सके।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर वर्ष 15 नवम्बर को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रमों के तहत आदि हाट वन धन केन्द्रों तथा जनजाति कलाकारों के उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा।

साथ ही, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, जनजाति से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिताएं, जनजाति क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रामीण सेवा शिविर, विभिन्न कार्यशालाओं सहित अनेक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि जनजाति क्षेत्र के जिले भी स्वयंसेवी संस्थाओं तथा भामाशाहों के सहयोग से विभिन्न तरह के नवाचारों को प्रोत्साहित करें। साथ ही, भगवान बिरसा मुंडा के जीवन को आमजन तक पहुंचाने के लिए साहित्य का प्रकाशन भी किया जाए।

इस दौरान संबंधित अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से 1 से 15 नवम्बर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। बैठक में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित, संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में वीसी के माध्यम से जनजाति क्षेत्र के जिलों के कलक्टर भी जुड़े।

भाजपा पर भारी दबाव है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी कार्यकर्ताओं और जदयू समर्थकों के बीच ''गंभीर उलझन'' की स्थिति बन गई है। यह असंतोष, कथित तौर पर भाजपा द्वारा नीतीश को आगे बढ़ाने में दर्शाई गई अनिच्छा से उपजा है, जिसके कारण जमीनी स्तर पर नाराज़गी देखी जा रही है।

रिपोर्टों के मुताबिक, जदयू समर्थक संयुक्त प्रचार अभियानों से दूरी बनाए हुए हैं, जो उनकी निराशा को दर्शाता है। जदयू के सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार अपना विरोध दर्ज कराने के लिए प्रधानमंत्री की 30 अक्तूबर की रैली में शामिल नहीं होंगे।

इस असहजता व बेचैनी को भांपते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को माहौल को सहज करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के पद खाली नहीं हैं, मोदी जी दिल्ली में हैं और नीतीश जी बिहार में। उनका यह बयान जदयू में भरोसा बहाल करने और एनडीए के भीतर बढ़ती खाई को पाटने का एक संतुलित प्रयास माना जा रहा है।

हालांकि पटना से मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा की केन्द्रीय चुनाव समिति अभी भी विभाजित है। एक धड़ा मानता है कि नीतीश कुमार के नाम की घोषणा से भाजपा के अपने कुछ कार्यकर्ता नाराज़ हो सकते हैं, जबकि दूसरा धड़ा मानता है कि अगर उन्हें सीएम चेहरा नहीं बनाया गया तो गठबंधन को करीबी मुकाबले में बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

पटना के एक वरिष्ठ रणनीतिकार ने बताया कि अंतिम निर्णय संभवतः खुद प्रधानमंत्री लेंगे। रणनीतिकार ने कहा, ''या तो मोदी जी अपनी प्रस्तावित बिहार यात्रा रद्द कर देंगे, या फिर वे रैली में एक निर्णायक घोषणा करेंगे, नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने के लिए, चाहे जदयू को कितनी भी सीटें मिलें।'' इस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह के रुख, कि निर्वाचित विधायक ही मुख्यमंत्री का चयन करेंगे, पर वीटो करते हुए एक स्पष्ट रुख अपना सकते हैं। जैसे-जैसे बिहार में मतदान की तारीख नज़दीक आ रही है, भाजपा की गठबंधन की गणित और नेतृत्व की छवि के बीच संतुलन साधने का खेल एनडीए के चुनावी भाग्य के लिए निर्णायक हो सकता है।

59 दिनों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से लोकगायिका मैथिली ठाकुर की उम्मीदवारी का भी उल्लेख किया।

शाह ने अपने भाषण में पाकिस्तान का मुद्दा भी उठाया और 'ऑपरेशन सिंदूर' तथा प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पी एफ आई) के सदस्यों से निबटने के निर्णयों का भी उल्लेख किया।

आखिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हिसाब से कहीं अधिक था, लेकिन इसके बाद वे चुपचाप चुनाव-मैदान से बाहर हो गये।

राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने किशोर से भी चुनावों में भाग लेने की उम्मीद थी, लेकिन तेजस्वी के खिलाफ चुनाव लड़ने के संकेत देने के कुछ ही दिनों बाद, उन्होंने पार्टी के बड़े हित में चुनाव न लड़ने का फैसला किया, क्योंकि चुनाव लड़ना उन्हें आवश्यक संगठनात्मक कार्यों से हटा सकता था।

जन सुराज पार्टी के लिए एकमात्र स्टार प्रचारक के रूप में किशोर को पहले ही यह पता चल जाना चाहिए था, और यह आश्चर्यजनक है कि यह निर्णय बाद में घोषित किया गया। उनके आलोचक कह रहे हैं कि किशोर अब यह जान गये हैं कि उनकी पार्टी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकेगी और इसलिए वे अब चुनाव नहीं लड़ रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने वांगचुक की पत्नी को याचिका में संशोधन की अनुमति दी

वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमों ने वांगचुको एनएसए के तहत गिरफ्तार करने को चुनौती दी है।

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को लद्दाख के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत अपने पति की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका में संशोधन करने की अनुमति दे दी। इसके साथ ही उन्हें अपने पति की हिरासत की वैधता पर सवाल उठाने वाले नए आधार और दस्तावेज़ जोड़ने की अनुमति भी दी गई।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने याचिका में संशोधन का आग्रह करने वाली अंगमो की याचिका स्वीकार कर ली और केन्द्र सरकार को अतिरिक्त आधारों पर जवाब देने का निर्देश दिया।

■ सुप्रीम कोर्ट ने याचिका के संशोधन कर एक सप्ताह में याचिका दायर करने की अनुमति दी है।

पीठ ने कहा ''याचिकाकर्ता को याचिका में संशोधन करने और एक सप्ताह के भीतर संशोधित प्रति दाखिल करने की अनुमति दी जाती है और उसके बाद दस दिनों के भीतर ''संशोधित प्रतिवाद''दाखिल किया जाना है। यदि कोई प्रत्युत्तर हो, तो उसे एक सप्ताह के भीतर दाखिल किया जाए। इस मामले को 24 नवंबर के लिए सूचीबद्ध किया जाए।''

अंगमो ने आरोप लगाया है कि उनके पति वांगचुक की नज़रबंदी, सार्वजनिक व्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा की वास्तविक चिंताओं से प्रेरित न होकर, असहमति के अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग करने वाले एक सम्मानित नागरिक को चुप कराने का एक ''सोचा-समझा प्रयास'' है।

उल्लेखनीय है कि रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित और सतत शिक्षा एवं पर्यावरण संबंधी पहलों के लिए जाने जाने वाले नवोन्मेषक वांगचुक को सितंबर में लेह में लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था।

अंगमों ने अपनी संशोधित याचिका में वांगचुक की गिरफ़्तारी से पहले की गई सरकारी कार्रवाहियों का विवरण दिया है, जिनमें उनके एनजीओ के लिए विदेशी फंडिंग लाइसेंस रद्द करना, ज़मीन के पट्टे रद्द करने संबंधी नोटिस, सीबीआई जाँच शुरू किया जाना।

प्रधानमंत्री 30-31 को गुजरात जायेंगे

नयी दिल्ली , 29 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 और 31अक्टूबर को गुजरात के दौरे पर रहेंगे और विभिन्न आधारभूत ढ ांचा एवं विकास परियोजनाओं का उद्घाटन तथा शिलान्यास करेंगे।

बुधवार को यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार इस दो दिवसीय दौरे में 1,140 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा। इसके साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस का भव्य आयोजन भी किया जाएगा।

इन परियोजनाओं का उद्देश्य इस क्षेत्र में पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाना, सुगम्यता में सुधार लाना और सतत विकास पहलों को बढ़ ावा देना है। कुल 1,140 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली ये परियोजनाएं दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा के आसपास के क्षेत्र में इको-टूरिज्म, ग्रीन मोबिलिटी, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और आदिवासी विकास को बढ़ ावा देने के लिए हैं।

मोंथा: तेलंगाना के 6 जिलों में रेड अलर्ट

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर। चक्रवाती तूफान मोंथा के प्रभाव के चलते तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश हुई। राज्य के वारंगल, जनगांव, हनुमाकोंडा, महबुबाबाद, करीमनगर, सिद्दीपेट, यदाद्री भुवनागिरी, सूर्यापेट, नलगोंडा, खम्मम, भद्राद्री कोठागुडेम, नगरकुर्नूल, पेद्दापल्ली उन जिलों में से हैं, जहां भारी बारिश हुई। साथ ही हैदराबाद में भी बारिश देखी गई।

■ इन जिलों में तेज हवा के साथ बहुत भारी से बेहद भारी बारिश की चेतावनी है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार को वारंगल, हनुमकोंडा, महबूबाबाद, जनगांव, सिद्दीपेट और यादाद्री भुवनगिरी जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में अलग-अलग स्थानों पर गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ बहुत भारी से बेहद भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

चक्रवात मोंथा को लेकर मौसम विभाग के वैज्ञानिक एस. करुणासागर ने कहा, मध्य बंगाल में बना गंभीर चक्रवाती तूफान उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और यह कल आंध्र प्रदेश के तट को पार कर गया। यह आधी रात 11.30 से 12.30 बजे के बीच तट से टकराया और इसके बाद यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और सुबह ढ ाई बजे बजे तक यह चक्रवाती तूफान कमजोर हो गया। उन्होंने आगे बताया कि यह तूफान तेलंगाना क्षेत्र में भी प्रवेश करेगा। आज भी हवा और बारिश जारी रहने की संभावना है। श्रीकाकुलम, विजयनगरम, मान्यम, अल्लूरी, विशाखापत्तनम और अनकापल्ली जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। करुणासागर ने कहा, एलुरु, कृष्णा, एनटीआर, गुंटूर, बापटला, पलनाडु, काकिनाडा, कोनसीमा, पूर्वी गोदावरी, पश्चिमी गोदावरी और प्रकाशम जिलों में मध्यम से भारी बारिश की संभावना है। लोगों को भारी बारिश के मद्देनजर सतर्क रहने की सलाह दी जाती है।

डिप्टी सीएम के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिलीभगत कर राजनीतिक दबाव के चलते उन्हें गलत तरीके से शामिल किया है।

वे न तो परिवादी को जानते हैं और न उसके परिचित हैं। उन्होंने निष्पक्ष व तथ्यात्मक रिपोर्टिंग की है और वे आपराधिक प्रकृति के नहीं हैं। इसलिए उन्हें अग्रिम जमानत दी जाए, लेकिन कोर्ट ने आरोपी पक्ष की दलीलें नहीं मानकर, अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी। गौरतलब है कि तीनों के खिलाफ डिप्टी सीएम दिया कुमारी के निजी सहायक नरेन्द्र सिंह ने साइबर पुलिस आयुक्तालय में रिपोर्ट दी थी, जिसमें कहा गया था कि आरोपी यू-ट्यूब व वेब पोर्टल पर झूठी व भ्रामक खबरें सीरीज में चला रहे हैं। यह डिप्टी सीएम दिया कुमारी को बदनाम करने की साजिश है। वहीं, इन खबरों को नहीं चलाने की एवज में करोडों रुपए की मांग की गई है। इसलिए इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

बीजापुर में 51 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

इनमें 9 महिलाएं और 42 पुरुष हैं

बीजापुर, 29 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में बुधवार को 51 नक्सली हथियार छोड़कर समाज की मुख्य लौट आए।

छत्तीसगढ़ सरकार की ''पूना मारगेम: पुनर्वास से पुनर्जीवन'' नीति के तहत, इन नक्सलिययों ने हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में वापसी का निर्णय लिया। इनमें नौ महिला और 42 पुरुष सदस्य शामिल हैं, जिन पर कुल 66 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

यह समूह विभिन्न स्तरों के महत्वपूर्ण कैडरों को समेटे हुए है, जिनमें पीएलजीए बटालियन सदस्य, एरिया कमेटी सदस्य, मिलिशिया कमांडर और जनताना सरकार के पदाधिकारी शामिल हैं। इन सभी ने संविधान में आस्था व्यक्त करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में सम्मानजनक जीवन जीने का संकल्प लिया है।

■ ये सभी नक्सली छत्तीसगढ़ सरकार की ''पुनर्वास से पुनर्जीवन'' नीति के तहत आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में लौट रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने कहा, ''सरकार की पुनर्वास नीति माओवादियों को आकर्षित कर रही है। मुख्यधारा में लौटने वाले कैडरों के परिजन भी चाहते हैं कि वे सामान्य जीवन जिएं।''

वर्ष 2025 में अब तक बीजापुर जिले में 461 माओवादी मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं, जबकि 138 मुठभेड़ों में मारे गए और 485 गिरफ्तार किए गए हैं। 2024 से अब तक कुल 650 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं। मुख्यधारा में लौटने वाले प्रमुख कैडरों में बुधराम पोटाम (8 लाख), मनकी कोवासी (8 लाख), हुंगी सोढ़ ी (8 लाख), रविन्द्र पुनेम (8 लाख), और देवे करटाम (8 लाख) शामिल हैं। सभी आत्मसमर्पित कैडरों को पुनर्वास के तहत 50,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

कांग्रेस ने दिल्ली सरकार पर बारिश चोरी का आरोप लगाया

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर। दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस ने दिल्ली सरकार पर ''बारिश चोरी'' का आरोप लगाते हुए बुधवार को दिल्ली पुलिस को शिकायत दी । दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने संसद मार्ग पुलिस थाने में दिल्ली सरकार के खिलाफ ''बारिश चोरी'' को लेकर बुधवार दोपहर शिकायत दी है। इस अवसर पर लाकड़ा ने कहा '' दिल्ली में सवा करोड़ रुपए की बारिश चोरी हो चुकी है। कानपुर से क्लाउड सीडिंग के नाम पर दिल्ली के लिए जहाज उड़ता है और फिर भाजपा सरकार उसके लिए बड़े विज्ञापन देती है कि 15 से 20 मिनट में दिल्ली में बारिश होगी और प्रदूषण से निजात मिलेगी। लेकिन इसके बावजूद, दिल्ली में इस प्रकार कहीं भी बारिश देखने को नहीं मिली, इसलिए इस बारिश चोरी के खिलाफ हम शिकायत देने आये हैं। ''

भाजपा ने उमर अब्दुल्लाह पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया

श्रीनगर, 29 अक्टूबर। बडगाम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार आगा मोहसिन ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के खिलाफ निर्वाचन आयोग में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

■ बडगाम उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी ने मुख्यमंत्री अब्दुल्लाह पर मतदाताओं को प्रभावित करने का आरोप लगाया।

भाजपा उम्मीदवार ने नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज शिकायत में आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री 11 नवंबर को होने वाले बडगाम उपचुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं।

यह शिकायत अब्दुल्ला द्वारा जम्मू-कश्मीर विधानसभा में दिए गए उस बयान से संबंधित है, जिसमें उन्होंने बडगाम के ओमपोरा में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) के लिए अस्थायी परिसर स्थापित करने की घोषणा की थी। कांग्रेस विधायक निज़ामुद्दीन भट्ट के एक निजी प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय अगले साल अप्रैल से किराए के आवास शुरू हो जाएगा और बडगाम स्थित ओमपोरा अस्थायी रूप से इसके लिए उपयुक्त हो सकता है।

एक कमरे में 38 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव आयोग गुरुवार को हरकत में आ गया और मतदाता सूचियों की व्यापक जांच के आदेश जारी कर दिए हैं।

आदत्यि ठाकरे ने कहा, अगर एक ही कमरे में 38 मतदाता दिखाए जा सकते हैं, तो फिर चुनाव की ईमानदारी कहां बची? मुंबई जैसे शहर में भी अगर वोटों का खेल चल रहा है, तो गांवों में क्या हो रहा होगा?

पाकिस्तान की तालिबान नीति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस्लामाबाद के प्रमुख सुरक्षा उद्देश्य को नुकसान पहुंचा। विश्लेषकों का कहना है कि तालिबान द्वारा टीटीपी के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई से इनकार करने ने पाकिस्तान के इस अनुमान को खत्म कर दिया कि वैचारिक या ऐतिहासिक साम्यता स्वचालित रूप से आज्ञाकारिता या सहयोग में बदल जाएगी।

यह विफलता आंशिक रूप से पाकिस्तान द्वारा अपनी ताकत को जरूरत से ज्यादा आंकने से उत्पन्न हुई है। इस्लामाबाद का मानना था कि तालिबान को दशकों तक राजनीतिक, वित्तीय और सैन्य समर्थन देने से उनके निर्णयों पर स्थायी नियंत्रण सुनिश्चित होगा। लेकिन तालिबान शासन ने अपने आप को अत्यधिक आत्मनिर्भर साबित किया है, जो एक क्लाइंट राज्य के रूप में कार्य करने की बजाय, स्वतंत्र राज्य की छवि प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहा है। सीमा संघर्ष, कूटनीतिक तकरार और हस्तक्षेप के आरोप अब अधिक बार हो रहे हैं। एक विश्वसनीय सहयोगी के रूप में काम करने के बजाय, तालिबान एक अप्रत्याशित पड़ोसी के रूप में उभरे हैं, जो अफगान संप्रभुता के मामले में समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं।

टीटीपी की समस्या भी और जटिल हो गई है। हालांकि पाकिस्तान ने पहले समूह को ज़र्ब-ए-आज़ब और रद्द-उल-फसाद जैसे सैन्य अभियानों के माध्यम से कमज़ोर किया था, फिर भी ये उग्रवादी अफगानिस्तान में फिर से संगठित हो गए हैं तथा गुरिल्ला युद्ध शैली और समन्वित हमले करने लगे हैं। समय-समय पर शांति वार्ता और युद्धिविराम की बातचीत उलटी पड़ी हैं, जिससे टीटीपी को आत्मसमर्पण करने की बजाय पुनः एकजुट होने का अवसर मिला है। पाकिस्तानी विश्लेषक अब स्वीकार करते हैं कि तालिबान को आतंकवाद निरोधक साझेदार के रूप में देखने की उम्मीद गलत थी। दरअसल, तालिबान का उभार उनके पाकिस्तानी समकक्षों को वैचारिक और परिचालनात्मक रूप से मजबूत कर रहा है। इससे अफगानिस्तान को बफर राज्य के रूप में देखने का व्यापक विचार भी कमज़ोर हुआ है। सुरक्षा की गहराई प्रदान करने के बजाय, तालिबान के अधीन अफगानिस्तान पाकिस्तान के लिए बोझ बन गया है। सीमा पार घुसपैठ, पाकिस्तानी सैनिकों पर हमले, और तालिबान का डूरंड रेखा को अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में स्वीकार करने का विरोध इन तनावों को बढ़ा चुका है। यहां तक कि आर्थिक सहयोग, जिसे तालिबान-नेतृत्व वाले अफगानिस्तान का एक संभावित लाभ माना गया था, सीमा बंदी और सुरक्षा विघटन के कारण ठप हो गया है।

फिर भी, इसे पूरी तरह से विफलता कहना आसान रास्ता होगा। पाकिस्तान के पास कुछ साधन हैं, सीमा बाड़बंदी, एकतरफा सैन्य अभियान और कूटनीतिक दबाव, जो इसके परिणामों को नियंत्रित करने के लिए उपयोग किए जा सकते हैं। लेकिन रणनीतिक समीकरण स्पष्ट रूप से बदल चुका है। यह अनुमान कि तालिबान जैसे वैचारिक सहयोगी पाकिस्तान के सुरक्षा हितों के अनुसार काम करेंगे, उनके स्वायत्तता और क्षेत्रीय वैधता की इच्छा को कम करके आंका गया था। हाल की युद्धविराम वार्ताएं, जो अक्टूबर 2025 में इस्तांबुल में हुईं, यह संकेत देती हैं कि दोनों पक्ष पुनः समायोजन की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन विश्वास की भारी कमी है।

पाकिस्तान की तालिबान रणनीति विफल हो गई, क्योंकि इसने अपनी मुख्य लक्ष्यों में से कोई भी लक्ष्य हासिल नहीं किया। पश्चिमी सीमा अब भी अशांत है, टीटीपी जीवित है, और काबुल में तालिबान शासन बढ़ती स्वतंत्रता के साथ काम कर रहा है। नतीजा यह है कि अब पाकिस्तान को पहले से कहीं अधिक जटिल और खतरनाक सीमा का सामना करना पड़ रहा है, जहां इस्लामाबाद को सुरक्षा गारंटी की बजाय उग्रवाद और कूटनीतिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान की चुनौती अब यह है कि वह अपनी अफगान नीति पर पुनर्विचार करे, पुरानी धारणाओं से बाहर निकलकर, और एक आत्मनिर्भर तालिबान के साथ सह-अस्तित्व का तरीका ढूंढे, जो अब पाकिस्तान के पुराने नियमों के अनुसार नहीं चलता।

बहराइच में नाव डूबी, 15 लोग लापता

बहराइच, 29 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के सुजौली क्षेत्र अंतर्गत कतर्नियाघाट के ट्रांस गेरुआ के जंगल में बसे भारत के अंतिम गांव भरथापुर में यात्रियों से भरी एक नाव नदी में डूब गई है, जिसमें सवार करीब 15 लोग लापता हैं, जबकि चार लोग सुरक्षित हैं।

सूत्रों के अनुसार, कतर्नियाघाट के घने जंगल व गेरुआ नदी के पार ग्राम भारथापुर बसा हुआ है। इस गांव के लोग पड़ोसी जिला लखीमपुर खीरी के खैरटिया गांव से कौड़ियाला नदी में नाव से आवागमन व खरीददारी करते हैं और इसे सुविधाजनक मानते हैं। बुधवार की शाम को गांव के 15 से अधिक लोग नाव में सवार होकर खैरटिया गांव से भरथापुर गांव आ रहे थे कि शाम करीब छह बजे गांव के करीब पंहुचते ही नाव अनियंत्रित होकर कौड़ियाला नदी में डूब गई। हादसे में गांव के दो दर्जन लोग लापता हैं, जिनमें कुछ मेहमान भी बताए जा रहे हैं। घटना में चार लोगों को सुरक्षित बचाया गया है।

अजीत पवार की पार्टी के दो नेता भाजपा में शामिल हुए

मुंबई, 29 अक्टूबर। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा-एपी) के दो पूर्व विधायक राजन पाटिल और यशवंत माने शिवसेना के नेताओं के साथ बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

■ ये दोनों नेता राजन पाटिल और यशवंत माने पूर्व विधायक हैं

भाजपा प्रदेश कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, शिवसेना नेता नागनाथ खीरसागर और रंजीतसिंह शिंदे भी भाजपा में शामिल हुए हैं। इसी प्रकार सतारा जिले के मान-खटाव तालुका में राकांपा के कई पदाधिकारियों और नेताओं और मराठवाड़ा के शिक्षक संगठनों के नेताओं का भी भाजपा में स्वागत किया गया। महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित समारोह में सभी नए सदस्यों का स्वागत किया। इस मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री , सोलापुर के पालक मंत्री जयकुमार गोरे, अन्य पिछड़ा वर्ग बहुजन कल्याण मंत्री अतुल सावे, प्रदेश महासचिव विधायक संजय केनेकर और अन्य नेता मौजूद रहे।

चव्हाण ने इस अवसर पर कहा कि सभी नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के सशक्त नेतृत्व एवं विकास की दूरदृष्टि पर विश्वास करते हुए भाजपा में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रवाद की भावना के साथ भाजपा परिवार में शामिल हुए हैं और केंद्र व राज्य सरकारों की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए एकजुट होकर काम करेंगे। मंत्री जयकुमार गोरे ने कहा कि सोलापुर जिले की राजनीति में महत्वपूर्ण प्रभाव रखने वाले नेता अपने क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा में शामिल हुए हैं।

सीबीआई ने आईपीएस भुल्लर के खिलाफ मामला दर्ज किया

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वत लेने के आरोप में निलंबित चल रहे पंजाब पुलिस के उप महानिरीक्षक हरचरण सिंह भुल्लर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी भुल्लर के खिलाफ यह मामला भ्रष्टचार निरोधक कानून के तहत दर्ज किया गया है।

हरचरण भुल्लर को पांच लाख रुपये की रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद भुल्लर के ठिकानों पर तलाशी अभियान में साढ े सात करोड़ रुपये की नगदी बरामद की गयी थी। भुल्लर को कबाड़ी का काम करने वाले एक व्यक्ति की शिकायत पर रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। अभी भुल्लर शुक्रवार तक न्यायिक हिरासत में हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908